गर्भाशय मुख का कर्करोग (कॅन्सर)

गर्भाशय मुख का कर्करोग का अर्थ

कर्करोग मे शरीर की मांसपेशी अनियंत्रित रुप से वृध्दीगत होती है ।शरीर के जिस हिस्से मे कर्करोग होगा उसके अनुरुप उसका नामकरण होता है ।गर्भाशय के मुख का कर्करोग होने पर उसे गर्भाशय मुख कर्करोग कहा जाता है ।गर्भाशय मुख यह गर्भधारण थैली के सबसे नीचे भीतरी रहनेवाला अंतिम हिस्सा है । गर्भाशय मुख योनी मार्ग को गर्भधारण थैली के उपर के हिस्से को जोडता है । गर्भधारण थैली मे गर्भावस्था मे गर्भ की वृध्दी होती है ।गर्भाशय मुख का कर्करोग यह स्त्री रोग प्रतिरोध एवं उपचार के लिहाज से सबसे सरल है अगर नियमित उसका ईलाज किया जाए , शीघ्र ईलाज एवं उपचार किए जाने पर रोग से पुर्ण रुप से मुक्ती मिल सकती है ।

गर्भाशय मुख कर्क रोग का खतरा क्यों बढता है

- हयुमन पॅपीलोमावायरस (HPV) का प्रादुर्भाव
- धुम्रपान 60 वर्ष से अधिक उम्र अधिक वजन
- कुछ हार्मोन्स एवं भ्रुण उत्पादक दवाईयाँ
- अंडाशय , स्तन अथवा बडी आंत के कर्करोग का इतिहास
- माता के गर्भावस्था मे डायईथाईल स्टीलबेस्ट्रॉल के संपर्क मे आना

गर्भाशयमुख के कर्करोग के लक्षण

- संभोग के पश्चात रक्तस्त्राव होना
- मासिक धर्म के अलावा भी योनी से रक्तस्त्राव होना
- मासिकधर्म के समाप्ती के पश्चात भी रक्तस्त्राव होना
- पेट का आंतरिक दर्द एवं कमर का दुखना
- पैरोंपर सूजन होना

गर्भाशय मुख कर्करोग का ईलाज

- **पॅपस्मियर जाँच-** गर्भाशय मुख पर कुछ अयोग्य माँस पेशी का विकास तो नही हुआ यह जाँच हेतू वहाँ के पेशी का कुछ हिस्सा जाँच के लिए लिया जाता है ।
- **कॅल्पोस्कोपी**- कॅल्पोस्कोपी मे गर्भाशय मुख एवं की परिपुर्ण जाँच की जाती है ।
- **बायोप्सी**- गर्भाशय मुख का छोटा हिस्सा निकालकर जाँच की जाती है यह हिस्सा कॅल्पोस्कोपी अथवा सर्व्हायकल कोन बायोप्सी के माध्यम से निकाला जाता है ।
- **सीटी एवं एमआरआय-** इस परिक्षण मे कर्करोग का स्थान आकार की जाँच हो पाती है तद्हेतू रोगी को अलग अलग रंग के द्रव दिए जाते है ताकि छायांकन स्पष्ट मिल सके ।

गर्भाशय मुख के कर्करोग का उपचार-

- **रेडिएशन थेरपी-** अति उच्च क्षमता की किरणे छोडकर कर्करोग के पेशियोंको समाप्त किया जाता है ।
- **केमोथेरपी-** कर्करोग की पेशी को समाप्त करने हेतू दवाईयाँ दी जाती है ।
- **टारगेटेड थेरपी-** सुदृढ पेशीयोंको छोडकर केवल ककारोग की पेशीयोंको ही समाप्त किया जाता है ।
- **शस्त्रक्रिया-** शस्त्रक्रिया मे गर्भाशय मुख का कर्करोग हटादिया जाता है अगर कर्करोग फैल चुका होगा तो वैसेही आवश्यकता पडने पर योनी उवं उसका हिस्सा मुत्राशय एवं गुदाशय का अंतिम हिस्सा निकाला जाता है ।

गर्भाशय मुख का कर्करोग ना हो तद्हेतू क्या करे?

- **नियमित पॅपस्मियर जाँच कराए-** जिसके कारण कर्करोग की संभवना निर्माण करनेवाली मांसपेशी को शीघ्र ही पहचान लिया जाता है ।
- HPV टीका लगाए- टीकाकरण से गर्भाशय मुख योनी एवं फेफडों के कर्करोग पर प्रतिबंध लगता है ।

संदर्भ: मायक्रोमेडेक्स ऑनलाईन सोल्यूशन्स 2.0